Proposed Course Structure of the Academic Programme with Multiple Entry- Multiple Exit Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020

M.A. (2022 - 23)

Level	Sem	Natureofthe Course	CourseCode	Course Title	Credits
L8 Entry	I	Discipline Specific : Major-1	HIN-DSM-121	मध्यकालीन हिन्दी कविता	6
		Discipline Specific : Major-2	HIN-DSM-122	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	6
		Multi-Disciplinary : Major-1	HIN -MDM-123	साहित्य का समाजशास्त्र	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-121	कम्प्यूटर और हिन्दी अनुप्रयोग	4
					22
L9	II	Discipline Specific : Major-3	HIN -DSM-221	आधुनिक हिन्दी कविता	6
		Discipline Specific : Major- 4	HIN-DSM-222	आधुनिक हिन्दी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	6
		Multi-Disciplinary : Major- 2	HIN -MDM-223	हिन्दी साहित्य : साझा विरासत	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN -SEC-221	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता	4
					22
Total Credits					44
EXIT With Certificate					

The Ability Enhancement Course (AEC) and / or Skill Enhancement Course (SEC) will be relevant to the Disciplinary Specific Major (s).

Level - L 8 Entry

एम.ए. सेमेस्टर - 1

Discipline Specific : Major-1

HIN-DSM-121 (मध्यकालीन हिन्दी कविता)								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem I	HIN-DSM-121	मध्यकालीन हिन्दी कविता	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	प्रो.चंदा बैन

Total Lectures/Hrs : 90

Course Objectives:

- इसपाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आदि एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित करना.
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिन्दी की काव्य परम्परा के समुचित ज्ञान के साथ ही उनमें आलोचना-बोध का निर्माण करना.

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : भक्ति आन्दोलन और उसके अखिल भारतीय स्वरुप के सन्दर्भ से परिचय.

CO2 : निर्गुण भक्तिधारा के कवियों और उनकी रचनाओं के मूल स्वर की पहचान.

CO3 : सगुण भक्ति की लोकधर्मी चेतना और समन्वयवादी दृष्टि से परिचय.

CO4 : रीतिकाव्य की सामाजिक, संस्कृतिक और राजनैतिक परिस्थितियों और उसकी कलात्मक चेतना को समझना.

CO5 : रीतिकाव्य के प्रमुख कवियों की काव्य संवेदन को उनकी रचनाओं के माध्यम से परिचित होना.

Course Content :

इकाई : 1 - भक्तिकालीन काव्य की भूमिका और उसकी अखिल भारतीय अभिव्यक्ति **18**

भक्ति काव्य की वैचारिक-भूमि
भक्ति काव्यधारा की अन्तर्धाराएँ और उनका वैशिष्ट्य
भक्ति काव्य का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक आधार

इकाई : 2 - भक्ति काव्य : निर्गुण काव्य परम्परा **18**

जायसी (जायसी ग्रंथावली, सम्पादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड : पद संख्या - 1, 5, मानसरोदक खण्ड : पद संख्या - 1, 8,
नखसिख खण्ड : पद संख्या - 1, 3, नागमती वियोग खण्ड : पद संख्या - 5, 19,
उपसंहार खण्ड : पद संख्या - 1, 2
कबीर (कबीर, संपादक : हजारी प्रसाद द्विवेदी)
पद संख्या : 11, 33, 87, 134, 163, 175, 212 और 215
साखी संख्या : 176, 220, 222, 230, 331, 234, 241 और 256

इकाई : 3 - भक्ति काव्य : सगुण काव्य परम्परा **18**

सूरदास (भ्रमरगीत सार - संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
पद संख्या : 7, 23, 24, 34, 52, 62, 82, 85, 95, 210, 263, 375
तुलसीदास (कवितावली) पद संख्या : अयोध्याकाण्ड : 11, 22 , सुन्दरकाण्ड : 5, 10, उत्तरकाण्ड : 39, 73, 96, 106, 139, 146, 148, 177
मीराबाई : (मीरा पदावली – सम्पादक विश्वनाथ त्रिपाठी) पद संख्या : 2, 4, 8, 10, 13, 15, 16, 18

इकाई : 4 - रीति काव्य : परम्परा और विकास **18**

रीतिकाव्य की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि
रीतिकालीन काव्य : अंतर्धारा
रीतिकाव्य : प्रमुख कवि एवं रचनाएँ
रीतिकाव्य : भाषा और संवेदना

इकाई : 5 - रीति काव्य : चयनित कविताएँ **18**

केशवदास : रामचन्द्रिका - बालकाण्ड : 7, 8, 15, 106,
पद्माकर : फागु के भीर अभीरन तें गहि, तालन पै ताल पै तमालन पै मालन पै, बृन्दावन बीथिन बहार बंसीबट पै,

बिहारी : (बिहारी सतसई - पुनर्पाठ - रामदेव शुक्ल) दोहा संख्या : 1,5, 25, 51, 60, 121, 141, 300, 301, 347, 363, 420, 432, 677, 689

घनानंद : (घनानंद कवित्त संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) पद संख्या : 2, 5, 7, 8, 12, 15, 32, 39, 46, 53, 61, 67, 71, 82, 86,

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. जायसी ग्रंथावली, सम्पादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. भ्रमरगीत सार - संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. मीरा पदावली – सम्पादक विश्वनाथ त्रिपाठी,
5. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
7. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. घनानन्द का श्रृंगार काव्य, रामदेव शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आनन्दघन, रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. सामंती परिवेश का यथार्थ और बिहारी का काव्य, रामदेव शुक्ल
11. रामचन्द्रिका, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. बिहारी सतसई पुनर्पाठ , रामदेव शुक्ल, मानव प्रकाशन, कोलकाता
13. मीरा माधव, सम्पादक-नन्द किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, जयपुर
14. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय, पुरषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Level – L 8 Entry

एम.ए. सेमेस्टर - 1

Discipline Specific : Major-2

HIN-DSM-122 (आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य)								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 8 Sem I	HIN-DSM-122	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. आशुतोष

Total Lectures/Hrs : 90

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य प्रमुख स्वरों और उनकी रचनाशीलता से परिचित करना.
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिन्दी की कथा-परम्परा के समुचित ज्ञान के साथ ही उनमें आलोचना-बोध का निर्माण करना.
- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता हासिल करना. व्यावसायिक एवं रचनात्मक कथा लेखन कौशल का विकास करना.
- उपन्यास विधा के उद्भव और विकास एवं तात्विक स्वरुप का परिचय कराना तथा ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष के महत्व को समझने और मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना .

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : उपन्यास और कहानी के तत्त्व, स्वरूप और विकास के बारे में जान पाएंगे.

CO2 : दिव्या उपन्यास और उपन्यासकार यशपाल एवं उनके समय की चिंताओं एवं लैंगिक समानता के मुद्दे से परिचित हो सकेंगे.

CO3 : निर्वासन उपन्यास के माध्यम से समकालीन जीवन और जगत की समस्याओं और दबावों को समझ सकेंगे.

CO4 : स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी कहानी लेखन और चयनित कहानियों के माध्यम से हिन्दी कहनी की विकास प्रक्रिया एवं संवेदनात्मक प्रवाह को समझ सकेंगे.

CO5 : समकालीन कहानी लेखन के सरोकारों एवं विमर्शपरक कहानियों में व्यक्त चिंताओं से परिचित होने के साथ एक लोकतान्त्रिक समाज निर्माण के महत्व को समझ सकेंगे.

Course Content :

इकाई-1- आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि **18**

उपन्यास : उद्भव और विकास

कहानी : उद्भव और विकास

इकाई-2- उपन्यास : दिव्या – यशपाल **18**

इकाई-3- उपन्यास : निर्वासन – अखिलेश **18**

इकाई 4- स्वतन्त्रतापूर्व कहानी : फांसी – विश्वम्भरनाथ शर्मा, शरणदाता – अज्ञेय **18**

नई कहानी : बदबू - शेखर जोशी, रसप्रिया – फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई 5 - समकालीन कहानी : छप्पन तोले की करधन – उदय प्रकाश **18**

स्वयं प्रकाश – पार्टीशन, सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि, निर्मोही – ममता कालिया, खरगोशों का कष्ट – रामदयाल मुंडा

सहायक ग्रन्थ :

1. उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

3. उपन्यास का उदय, ऑयन वाट (अनु. धर्मपाल सरीन), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला हरियाणा

4. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली

6. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य, विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

7. हिन्दी की कथा साहित्य का इतिहास, हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

8. उपन्यास और लोकजीवन, रॉल्फ फॉक्स, पी.पी.एच. दिल्ली

9. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

10. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11. हिन्दी उपन्यास एक : अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

12. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

13. हिन्दी कहानीवक्त : की शिनाख्त और सृजन का राग, रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन ,दिल्ली

14. हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ, रोहिणी अग्रवाल ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

15 .भूमंडलोत्तर कहानी : राकेश बिहारी, आधार प्रकाशन, पंचकुला

Level - L8 Entry

एम.ए. सेमेस्टर - 1

Multi-Disciplinary : Major-1

HIN-MDM-123 (साहित्य का समाजशास्त्र)								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem I	HIN-MDM-123	आधुनिक कथा साहित्य	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA(End Sem)- 60	डॉ. आशुतोष

Total Lectures/Hrs : 90

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य और समाजशास्त्र के तात्विक सम्बन्धों से परिचित करना.
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिन्दी की कथा-परम्परा और उसके समाजशास्त्रीय विष्लेषण एवं आलोचना-बोध का निर्माण करना.
- विद्यार्थियों में अन्तरअनुशासनिक दृष्टि विकसित करना.

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : साहित्य और समाजशास्त्र के स्वरुप और विकास प्रक्रिया को समझ सकेंगे.

CO2 : साहित्य और समाज के अंतर्संबंध के साथ हो साहित्य के समाजशास्त्र के इतिहास और रूपरेखा से परिचित हो सकेंगे.

CO3 : साहित्य के समाज शास्त्र पद्धतियों से परिचित हो सकेंगे.

CO4 : साहित्यिक रूपों की अवधारणा के साथ ही उपन्यास और कविता के समाजशास्त्र के बारे में सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे.

CO5 :'अँधेरे में', 'राग दरबारी' और 'मणिकर्णिका' जैसी कृतियों के समाजशास्त्रीय अध्ययन का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे.

Course Content :

इकाई – 1 **18**

साहित्य का स्वरुप : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व और प्रयोजन

समाज का स्वरुप : परिभाषा, उत्पत्ति और विकास

इकाई – 2 **18**

साहित्य और समाज का अंतर्संबंध

साहित्य के समाजशास्त्र का इतिहास

साहित्य के समाजशास्त्र की रूपरेखा

इकाई – 3 **18**

साहित्य के समाजशास्त्र की पद्धतियाँ : मार्क्सवादी पद्धति,

समाजशास्त्रीय पद्धति, संरचनावादी पद्धति

इकाई – 4 **18**

साहित्यिक रूपों की अवधारणा

वस्तु और रूप का अंतर्संबंध,

उपन्यास का समाजशास्त्र, कविता का समाजशास्त्र

इकाई – 5 **18**

'अँधेरे में' कविता का समाजशास्त्रीय अध्ययन

'राग दरबारी' उपन्यास का समाजशास्त्रीय अध्ययन

'मणिकर्णिका' आत्मकथा का समाजशास्त्रीय अध्ययन

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य का समाजशास्त्र , डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
2. साहित्य का परिवेश, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
3. साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया : अज्ञेय, संपा. कृष्णदत्त पालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
4. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, मैनेजर पाण्डेय, आधार प्रकाशन, पंचकूला, चंडीगढ़
5. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. विभ्रम और यथार्थ, क्रिस्टोफर काडवेल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. साहित्य के सिद्धांत, रेने वेलक, अस्टिन वारेन, वीएस.पालीवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Level – L 8 Entry

एम.ए. सेमेस्टर - 1

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-121 (कम्प्यूटर और हिन्दी अनुप्रयोग)								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 8 Sem I	HIN-SEC-121	कम्प्यूटर और हिन्दी अनुप्रयोग	4	0	0	4	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. हिमांशु कुमार

Total Lectures/Hrs : 60

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कम्प्यूटर और हिन्दी अनुप्रयोग से परिचित करना.
- विद्यार्थियों को कम्प्यूटर पर सुगमता के साथ हिन्दी में काम करने के कौशल का विकास करना.
- भाषा – साहित्य एवं कम्प्यूटर के शिक्षक की योग्यता हासिल करना.
- व्यावसायिक एवं रचनात्मक कथा लेखन कौशल का विकास करना.

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : कम्प्यूटर के विकास और कार्यशैली के साथ ही हिन्दी के अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे.

CO2 : इंटरनेट जगत में हिन्दी के महत्व, हिन्दी फॉण्ट यूनिकोड के साथ ही देवनागरी लिपि में काम करना सीख सकेंगे.

CO3 : हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस, राजभाषा हिंदी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका को पहचान सकेंगे.

CO4 : हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्षों से परिचित होते हुए व्यावसायिक दृष्टि से पारंगत हो सकेंगे.

CO5 : हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड, हिंदी और वेब डिजाइनिंग, हिंदी की वेबसाइट्स आदि के जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.

Course Content :

इकाई-1 : कम्प्यूटर का विकास और हिंदी, कम्प्यूटर का परिचय और विकास **15**

कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास, कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई-2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी, इंटरनेट पर हिंदी **15**

यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

इकाई-3 : हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस, राजभाषा हिंदी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका **15**

ई-गवर्नेंस, इंटरनेट, हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग

इकाई-4 : हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष, इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ **15**

एसएमएस की हिंदी, न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

इकाई-5 : हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड, हिंदी के विविध फॉन्ट **15**

हिंदी और वेब डिजाइनिंग, हिंदी की वेबसाइट्स

सहायक ग्रन्थ :

1. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कम्प्यूटर और हिन्दी- हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज - संपा. संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली
5. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली

Level – L 9 Entry

एम.ए. सेमेस्टर – 2

Discipline Specific: Major-3

HIN -DSM-221 (आधुनिक हिन्दी कविता)								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L9 Sem II	HIN - DSM-221	आधुनिक हिन्दी कविता	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. अरविंद कुमार

Total Lectures/Hrs : 90

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के स्वरुप, विकास प्रक्रिया और सरोकारों स एपरिचिता कराना है.
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिन्दी की काव्य -परम्परा के समुचित ज्ञान के साथ ही उनमें आलोचना-बोध का निर्माण करना.
- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता हासिल करना. व्यावसायिक एवं रचनात्मक कथा लेखन कौशल का विकास करना.
- कविता विधा के तात्विक स्वरुप का परिचय कराना तथा ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष के महत्व को समझने और मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना .

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : आधुनिक हिन्दी काव्य का प्रगति, परम्परा और प्रवृत्तियों के साथ ही विभिन्न काव्यधाराओं और काव्यान्दोलनों की वैचारिक ऊष्मा से परिचत हो सकेंगे.

CO2 : जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' और निराला की लम्बी कविता 'राम की शक्ति पूजा' के रचनत्मक वैशिष्ट्य के बारें में जानेगें.

CO3 : चयनित कविताओं के माध्यम से हिन्दी कविता की विकासमान प्रक्रिया और युग संदर्भों से परिचित हो सकेंगे.

CO4 : समकालीन हिन्दी कविता के प्रमुख चिंताओं और सरोकारों को चयनित कविताओं के माध्यम से जान सकेंगे और कविता के माध्यम से लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति सजग हो सकेंगे.

CO5 : विमर्श केन्द्रित साहित्यिक अंतर्धाराओं से परिचित हो सकेंगे और चयनित कविताओं के द्वारा जाति, वर्ग और जेंडर संवेदनशीलता के महत्व को जानेंगे.

Course Content :

इकाई-1. आधुनिक हिन्दी काव्य का प्रगति, परम्परा और प्रवृत्तियाँ : भारतेंदुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, जनवादी कविता और समकालीन कविता. **18**

इकाई-2. जयशंकर प्रसाद – श्रद्धा सर्ग (कामायनी) **18**
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'- राम की शक्ति पूजा

इकाई-3. अज्ञेय – कलगी बाजरे की, केदारनाथ अग्रवाल-बसंती हवा, **18**
त्रिलोचन – चम्पा काले काले अक्षर नहीं चीन्हती, नागार्जुन- गुलाबी चूड़ियाँ,
गजानन माधव मुक्तिबोध -भूल गलती

इकाई-4. रघुवीर सहाय – रामदास, धुमिल – बीस साल बाद, **18**
कुंवर नारायण – अबकी बार लौटा तो,
केदारनाथ सिंह – यह पृथ्वी रहेगी, अरुण कमल – धार,
अष्टभुजा शुक्ल – जवान होते बेटो, नरेश सक्सेना – पार

इकाई-5. अनामिका – स्त्रियाँ, ओमप्रकाश वाल्मीकि – युग चेतना, **18**
मोहनदास नैमिशराय – शब्द, वंदना टेटे – हम कविता नहीं करते,

सहायक ग्रन्थ :

1. कवियों की पृथ्वी, अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन पंचकुला, हरियाणा
2. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास , नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
3 . कविता का अर्थात, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. छायावाद का रचनालोक, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. कामायनी : एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. कल्पना और छायावाद, केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. छायावाद, नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. छायावाद युगीन साहित्यिक वाद विवाद, गोपाल प्रधान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
11. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. नई कविता और अतित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

13. साठोत्तरी कहविा परिवर्तित दिशाएँ, विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
14. समकालीन हिंदी कविता, विश्नाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
15. फ़िलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. समकालीन कविता का बीजगणित, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन दिल्ली
17. समकालीन कविता और सौन्दर्यबोध, रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. कविता का जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. कविता का आत्मपक्ष, एकांत श्रीवास्तव, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
20. कविता की सांगत, विजय कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
21. आधुनिक हिन्दी कवितामें बिम्ब विधान, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
22. नयी कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Level – L9 Entry

एम.ए. सेमेस्टर – 2

Discipline Specific: Major- 4

HIN-DSM-222 (आधुनिक हिन्दी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L9 Sem II	HIN - DSM-221	आधुनिक हिन्दी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	प्रो.आनन्द प्रकाश त्रिपाठी

Total Lectures/Hrs : 90

Course Objectives:

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता हासिल करना एवं हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाओं से परिचित कराना.
- नाटक एवं अन्य गद्य विधाओं का आस्वादन और विष्लेषण की दृष्टि विकसित करना तथा नाट्य समूहों का गठन, मंचन, अभिनय, संवाद, गायन के लिए प्रेरित करना.
- हिन्दी नाटक-एकांकियों के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना.
- नाटकों की रंगमंचीय समझ विकसित कराने के साथ ही साहित्य की अन्य गद्य विधाओं की समीक्षा-विष्लेषण की क्षमता को प्रोत्साहित कराना.
- अन्य गद्य विधाओं के महत्व और आवश्यकता से परिचित कराने के साथ ही पारम्परिक जनसंचार माध्यम के रूप में नाटक के महत्व से परिचित हो सकेंगे.
- संदर्भित रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय सरोकारों से परिचित हो सकेंगे.

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : हिन्दी नाटक एवं कथेतर गद्य विधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.

CO2 : चयनित नाटकों और एकांकियों के माध्यम से अपने समय और समाज के अंतर्विरोधों को समझ सकेंगे.

CO3 : चयनित हिन्दी निबंधो के माध्यम से अपने समय-बोध से परिचित हो सकेंगे.

CO4 : प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से जीवनी और आत्मकथा साहित्य के बारे में जानेंगे.

CO5 : हिन्दी साहित्य की कथेतर गद्य विधाओं की प्रतिनीधि रचनाओं के सहारे साहित्य के सामाजिक सरोकार और गतिशीलता से परिचित हो सकेंगे.

Course Content :

इकाई-1. हिन्दी नाटक : विकास और प्रवृत्तियाँ **18**

हिन्दी का कथेतर गद्य : स्वरूप और विकास

इकाई-2. नाटक – अंधायुग (धर्मवीर भारती), गाँधी @ गोडसे डॉट कॉम (असगर वजाहत) **18**

एकांकी– बादल की मृत्यु (राम कुमार वर्मा) स्ट्राइक (भवुनेश्वर)

इकाई-3. निबंध – लोभ और प्रीति (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) **18**

प्रेमचंद के फटे जूते (हरिशंकर परसाई)

इकाई-4. जीवनी – कलम का सिपाही (अमृत राय) प्रारम्भिक अंश **18**

आत्मकथा- अन्या से अन्यया (प्रभा खेतान) चयनित अंश

इकाई-5. अन्य गद्य विधाएँ **18**

यात्रा वृतांत - मेरी तिब्बत यात्रा, (राहुल सांकृत्यायन), चयनित अंश

संस्मरण- बैकुंठपुर में बचपन (कांतिकुमार जैन)

रिपोतार्ज – मानुष बने रहो (फणीश्वरनाथ रेणु)

रेखाचित्र – रजिया (रामवृक्ष बेनीपुरी)

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी रंगमंच की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. पारम्परिक भारतीय रंगमंच, कपिला वात्स्यायन, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
6. आधुनिक भारतीय रंगलोक, जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
7. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, नेमिचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. आत्मकथा की संस्कृति और अपनी खबर, पंकज चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी निबंध और निबंधकार, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृहिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. हिन्दी नाटक के सौ साल, (दो भागों में) सं. महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली

Level – L9 Entry

एम.ए. सेमेस्टर – 2

Multi-Disciplinary: Major- 2

HIN -MDM-223 (हिन्दी साहित्य : साझा विरासत)								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L9 Sem II	HIN - MDM-223	हिन्दी साहित्य : साझा विरासत	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. अफरोज बेगम

Total Lectures/Hrs : 90

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के साथ अन्य भारतीय भाषाओँ के अंतर्सुत्रों से परिचित करना.
- संस्कृत, बांग्ला और उर्दू भाषा के साहित्य के साथ हिन्दी साहित्य के संवेदनात्मक सरोकारों की समावेशी-बोध का निर्माण कराना.
- हिन्दी की साहित्यिक -परम्परा के साथ ही अन्य भारतीय भाषाओँ के प्रतिनिधि रचनाओं एवं रचनाकारों से परिचित कराते हुए भारतीय साहित्य के स्वरूप को समझाना.

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : संस्कृत, बांग्ला, उर्दू और हिन्दी साहित्य के भाषा, संवेदना एवं सरोकारों के साझेपन को समझ सकेंगे.

CO2 : कालिदास और भवभूति के माध्यम से संस्कृत साहित्य की परम्परा से परिचित हो सकेंगे.

CO3 : रबीन्द्रनाथ टैगोर और शरदचंद्र के माध्यम से बांग्ला साहित्य की परम्परा से परिचित हो सकेंगे.

CO4 : मिर्जा ग़ालिब और नजीर अकबराबादी के माध्यम से उर्दू साहित्य की परम्परा से परिचित हो सकेंगे.

CO5 : संस्कृत, बांग्ला, उर्दू और हिन्दी की चयनित रचनाओं के माध्यम से इनके मध्य सरोकारपरक साझा विरासत की परम्परा को जान सकेंगे.

Course Content :

इकाई – 1. संस्कृत और हिंदी साहित्य : भाषा, संवेदना एवं सरोकार का साझा विरासत **18**
बांग्ला और हिन्दी साहित्य : भाषा, संवेदना एवं सरोकार का साझा विरासत
उर्दू और हिंदी साहित्य : भाषा, संवेदना एवं सरोकार का साझा विरासत

इकाई – 2 . संस्कृत साहित्य : **18**
कालिदास : साहित्यिक परिचय और रचनाएँ
भवभूति : साहित्यिक परिचय और रचनाएँ

इकाई – 3. बांग्ला साहित्य : **18**
रबीन्द्रनाथ टैगोर : साहित्यिक परिचय और रचनाएँ
शरदचंद्र : साहित्यिक परिचय और रचनाएँ

इकाई – 4. उर्दू साहित्य : **18**
मिर्जा ग़ालिब : साहित्यिक परिचय और रचनाएँ
नजीर अकबराबादी : साहित्यिक परिचय और रचनाएँ

इकाई – 5. रचनाकार और चयनित रचनाएँ : **18**
कालिदास – मेघदूत (कविता) पूर्वमेघ से पद संख्या : 1,4,7,19, 20
मिर्जा गालिब : हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसी कि हर ख़्वाहिश पे दम निकले (गज़ल)
रबीन्द्रनाथ टैगोर : एकला चलो रे (कविता)

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. मेघदूत, कालिदास, डायमंड पॉकेट बुक्स, दिल्ली
3. बांग्ला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ. सत्येन्द्र, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग उत्तर प्रदेश
4. उर्दू कविता का विकास, कृष्णचन्द्र लाल, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर, बिहार
5. दीवान ए ग़ालिब, अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Level – L9 Entry

एम.ए. सेमेस्टर – 2

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN -SEC-221 (हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता)								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L9 Sem II	HIN - MDM-223	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता	4	0	0	4	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. राजेंद्र यादव

Total Lectures/Hrs : 60

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी की साहित्यिक पत्रिकारिता से परिचित करना.
- हिन्दी पत्रकारिता के साथ ही पत्रकारिता के सिद्धांतों और विकास के सन्दर्भ में समझ विकसित करना.
- पत्रकारिता के मूलभूत सरोकारों और बदलते समय के साथ उसमें आये परिवर्तनों से परिचित कराना.
- हिन्दी और साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार हेतु विद्यार्थियों को समर्थ एवं कौशल-संपन्न बनाना.

- **Course Learning Outcomes :** इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit : Unit wise Learning Outcomes

CO1 : साहित्यिक पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे.

CO2 : भारतेन्दुयुगीन एवं द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता केमूल सरोकारों को जान सकेंगे.

CO3 : प्रेमचंद, छायावादयुगीन और स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता के बदलते प्रतिमानों के बारे में सीख सकेंगे.

CO4 : समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता के मूलभूत संरचना और प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे.

CO5 : बनारस अखबार, हिन्दी प्रदीप, आज, स्वेदश, धर्मयुग, सारिका, हंस, पहल, दस्तावेज और तदभव जैसी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से पत्रकारिता का व्यावहारिक कौशल सीखेंगे.

Course Content :

इकाई – 1. साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्व 15

इकाई – 2. भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ 15
द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3. प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ 15
स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

इकाई – 4. समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ 15
साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका

इकाई – 5. महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, हिन्दी प्रदीप, आज, स्वेदश, 15
धर्मयुग, सारिका, हंस, पहल, दस्तावेज, तदभव

सहायक ग्रन्थ :

1. भारत में प्रेस एक सिंहावलोकन, जी . एस . भार्गव, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधा कृष्ण प्रकाशन
4. नया मीडिया और नये मुद्दे, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6. पत्रकारिता में अनुवाद, जीतेन्द्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मिडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साहित्यिक पत्रकारिता : सिद्धांत और व्यवहार, डॉ.जय नारायण कौशिक, नमन प्रकाशन, दिल्ली
9. साहित्यिक पत्रकारिता, ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली